देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंकः 93 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार–प्रवाह...प्रतिभा को मिलता पटल

पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 8 जुलाई 2020

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 35.0° न्यूनतम 26.0° | 35414.45

2 नेपाल के अंदर ही जोरदार विरोध शुरू | 7 धोनी बेस्ट क्रिकेटर्स में से एक

डॉक्टर नहीं राहुल गांधी, सलाह लेकर ही बोलें

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नोएडा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने हाल ही में आरोप लगाए थे कि केंद्र सरकार खराब क्वालिटी के वेंटिलेटर खरीद रही है। इन आरोपों पर वेंटिलेटर बनाने वाली कंपनी AgVa के मालिक प्रफेसर दिवाकर वैश ने

राहुल ने वेंटिलेटर्स की परफॉर्मेंस पर उठाए थे सवाल

जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी डॉक्टर नहीं हैं, मैं उनको एक डेमो देना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी कंपनियां स्वदेशी वेंटिलेटर्स को मार्केट में आने नहीं देना चाहती हैं, इसीलिए ये साजिशें हो रही हैं।

प्रफेसर दिवाकर वैश ने कहा, हमने एक दिन में वेंटिलेटर नहीं बनाए हैं। हम तीन साल से मार्केट में हैं। एक–एक चरण करके हमने इसे विकसित किया है। सारी खूबियां होने के बावजूद हमारा वेंटिलेटर पांच से 10 गुना सस्ता है।

जल जीवन मिशन कार्यक्रम को निर्धारित समयावधि में पूरा करने के निर्देश

संवाददाता देहरादून। उत्तराखण्ड पेयजल निगम एवं जल संस्थान की ओर से प्रायोजित कार्यक्रम जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक जिला कार्यालय सभागार में जिलाधिकारी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में डीएम ने जल संस्थान एवं पयेजल निगम के अभियन्ताओं को सरकार के इस कार्यक्रम में तेजी लाने के साथ ही निर्धारित समयावधि में शासकीय दिशा–निर्देशों के अनुसार इसे पूरा करने के निर्देश दिये।

चिकित्सकों के 763 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती जल्द

शासन द्वारा उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को भेजा गया अध्याचन

प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के तहत साधारण ग्रेड चिकित्साधिकारियों की होनी है भर्ती

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत के निर्देश पर राज्य में साधारण ग्रेड चिकित्साधिकारियों के 763 रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी गई है। उत्तराखण्ड प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग के तहत साधारण ग्रेड चिकित्साधिकारियों के रिक्त पदों को भरने के लिए शासन द्वारा उत्तराखण्ड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अध्याचन भेजा गया है। बोर्ड से रिक्त 763 पदों पर सीधी भर्ती के लिए तत्काल विज्ञप्ति प्रकाशित कर चयन की कार्यवाही प्राथमिकता से करने की अपेक्षा की गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 763 चिकित्सकों की भर्ती से राज्य के हेल्थ सिस्टम को मजबूती मिलेगी। प्रदेश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर में काफी सुधार किया गया है। आज हर जिले में आईसीयू की सुविधा है। चिकित्सकों की संख्या पहले की तुलना में दोगुनी की गई है। टेली रेडियोलोजी और टेली मेडिसिन शुरू की गई। हम कोविड–19 के संक्रमण को नियंत्रित करने में सफल रहे है।

उत्तराखण्ड सर्वाधिक रिकवरी रेट वाला राज्य है। हमारे यहां मृत्यु दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। कोरोना काल में 400 नए डाक्टरों की भर्ती की गई, 273 आईसीयू बेड, 165 वेंटिलेटर और 33 बाईपेप मशीनों की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही 13 जिला अस्पतालों/बेस अस्पतालों में आक्सीजन सप्लाई पाईप लाईन का निर्माण किया जा रहा है।

झड़प वाली जगह से भारत भी 1.5 किमी पीछे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और चीन के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के बीच बातचीत के बाद गलवान घाटी में संघर्ष वाली जगह से भारतीय सैनिक भी 1.5 किमी पीछे हट गए हैं। अंग्रेजी अखबार द हिंदू ने भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से यह रिपोर्ट दी है। उधर, सैन्य सूत्रों ने भी कहा है कि समझौते के तहत दोनों पक्ष विवादित इलाकों से 1 से 1.5 किमी पीछे हटेंगे और जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी तो दोनों देशों की सेना आगे की दिशा तय करने के लिए दोबारा बातचीत करेगी। अजित डोभाल और वांग यी की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हुई बातचीत के बाद चीन ने अपने सैनिक 1.5 किमी पीछे हटाने शुरू कर दिए हैं।

कमांडर लेवल की मीटिंग में बनी सहमतिः भारतीय सैनिक अब तक पेट्रोलिंग पॉइंट 14 तक जाकर गश्ती लगा रहे थे जहां 15 जून को चीनी सैनिकों के साथ खूनी संघर्ष हुआ था। 30 जून को कमांडर लेवल की मीटिंग में हुए समझौते के मुताबिक अब भारतीय सैनिक अगले 30 दिनों तक वहां नहीं जा सकेंगे। अधिकारी के मुताबिक, यह चिंता का विषय है क्योंकि चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा (स-।ब) के पार भारतीय क्षेत्र में आ गए थे। उनका कहना है कि अगर इसका ठोस समाधान नहीं किया गया तो भारत इस इलाके में पेट्रोलिंग का अपना अधिकार हमेशा के लिए खो सकता है।

भारत की चिंता

अधिकारी ने बताया, भारत ने पेट्रोलिंग पॉइंट 14 तक सड़क बना ली है जहां खूनी झड़प हुई थी। यहीं से आर्मी अपनी पेट्रोलिंग शुरू किया करती थी। अब समझौते के मुताबिक, भारत अब वहां तक पेट्रोलिंग नहीं कर पाएगा। डर है कि यह व्यवस्था 30 से बढ़कर कहीं स्थाई न हो जाए।

सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लायें

संवाददाता देहरादून। ''सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लायें'' यह निर्देश जिलाधिकारी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव ने कलेक्ट्रेट सभागार में लोक निर्माण विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान दिये।

जिलाधिकारी ने कहा कि जितनी भी सड़कों का निर्माण अथवा सुधारीकरण किया जाना है उनमें तेजी से कार्य को पूरा करें। उन्होंने कहा कि देहरादून शहर से लगी हुई मुख्य सड़कें, रिंग रोड, इत्यादि के सम्बन्ध में जो भी प्रक्रिया अभी तक लम्बित हैं उनका तेजी से निस्तारण करें। उन्होंने वन विभाग को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण में वन विभाग के स्तर पर अनापत्ति से सम्बन्धित यदि कोई प्रकरण लम्बित हो तो उसका तेजी से निराकरण करें।